085/X/SA2/22/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न पत्र का वितरण पूर्वाह्न में-बजे किया जाएगा। बजे से ... बजे तक छात्र केवल प्रश्नपत्र को पढ़ेंगे और इस अविधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

परंपरागत अर्थों में रहस्यवाद आत्मा और परमात्मा के संबंध में रचित काव्य है, पर आज की रहस्यवादी रचनाओं को समग्रत: ऐसा नहीं कहा जा सकता। इस सृष्टि में आकर मनुष्य अपने चारों ओर जो कुछ देखता है, वह एक विचित्र रहस्य से आवृत है। बड़े-बड़े मनीषी भी युगों तक खोज करके इस समस्त विश्व-प्रपंच के रहस्य का उद्घाटन नहीं कर पाए हैं, किंतु दीर्घकाल तक विचार और साधना करने के पश्चात् उन्हें ऐसा अनुभव हुआ कि इस समस्त संसार का संचालन किसी अदृश्य सत्ता द्वारा हो रहा है। उस अदृश्य सत्ता को ब्रह्म या परमात्मा भी कहा जा सकता है। उस अदृश्य सत्ता को खोजने और उससे मिलने के लिए वे साधक बेचैन हो उठे। जब एक बार उस सत्ता का ज्ञान हो गया, फिर उससे मिले बिना चैन कहाँ? ऐसी दशा में विरह की व्याकुलता का वर्णन अनेक साधकों ने बड़े मर्मस्पर्शी शब्दों में किया है, किंतु इसमें कठिनाई यह है कि जिस ब्रह्म या अज्ञात सत्ता के प्रेम में वे पागल हो उठे हैं, उसके गुणों का या रुप का कुछ वर्णन कर पाना संभव नहीं है। सभी साधकों ने एक स्वर से यही बात कही है कि वह बुद्धि और विवेक या तर्क से परे है; उसे इंद्रियों द्वारा जाना नहीं जा सकता। हृदय द्वारा उसका अनुभव किया जा सकता है, परंतु वह अनुभव गूँगे के गुड़ के समान है। उस अनुभव का आनंद तो लिया जा सकता है, किंतु उसका वाणी से वर्णन नहीं किया जा सकता।

(क) रहस्यवाद क्या है?

(i) आत्मा और परमात्मा के रहस्य से जुड़ा हुआ।

(ii) आत्मा और परमात्मा से संबंधित काव्य।

(iii) आत्मा और परमात्मा की विवेचना का काव्य।

(iv) आत्मा और परमात्मा से परे का काव्य।

(ख) दीर्घकाल तक विचार करने के बाद मनीषियों ने अनुभव किया कि यह संसार -

(i) अपने आप संचालित है (ii) किसी अदृश्य शक्ति से प्रभावित है

(iii) अदृश्य शक्ति से संचालित है (iv) मनुष्य की विशिष्ट शक्ति से संचलित है

(ग) अदृश्य सत्ता से मिलने के लिए साधक बेचैन क्यों हैं?

(i) वे उस अज्ञात सत्ता के प्रेम में पागल हो गए हैं।

(ii) वे उस अज्ञात सत्ता के वश में हो गए हैं।

(iii) वह अदृश्य सत्ता उन पर हावी हो गई है।

(iv) वे उस अदृश्य और अज्ञात सत्ता के बिना जी नहीं सकते

(घ) ब्रह्म का वर्णन करने में कठिनाई क्या है?

(i) वह बुद्धि और तर्क से परे है।

(ii) उसे इंद्रियों द्वारा जाना नहीं जा सकता।

(iii) उसका वाणी में वर्णन नहीं किया जा सकता।

(iv) उपरोक्त सभी।

(ङ) 'गूँगे का गुड़' कथन का आशय है -

(i) गुड़ सा मीठा सुख (ii) अवर्णनीय आनंद

(iii) परम सुख (iv) आनंददायक अनुभव

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

अपने इतिहास के अधिकांश कालों में भारत एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी पारस्पारिक युद्धों से जर्जर होता रहा। यहाँ के कुछ शासक अपने शासन काल में धूर्त एवं असावधान थे। समय-समय पर यहाँ दुर्भिक्ष, बाढ़ तथा प्लेग के प्रकोप होते रहे, जिससे सहस्त्रों व्यक्तियों की मृत्यु हुई। जन्मजात असमानता की मान्यता धर्मसंगत मानी गई, जिसके फलस्वरुप नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन अभिशाप बन गया इन सब के होते हुए भी हमारा विचार है कि पुरातन संसार के किसी भी भाग में मनुष्य के मनुष्य से तथा मनुष्य के राज्य से ऐसे सुंदर एवं मानवीय संबंध नहीं रहे हैं। किसी भी अन्य प्राचीन सभ्यता में गुलामों की संख्या इतनी कम नहीं रही जितनी भारत में और न ही 'अर्थशास्त्र' के समान किसी प्राचीन ग्रंथ ने मानवीय अधिकारों की इतनी सुरक्षा की। मनु के समान किसी अन्य प्राचीन स्मृतिकार ने युद्ध में न्याय के ऐसे उच्चादर्शो की घोषणा भी नहीं की। भारत के युद्धों के इतिहास में कोई भी ऐसी कहानी नहीं जिसमें नगर के नगर तलवार के घाट उतारे गए हों अथवा शांतिप्रिय नागरिकों का सामूहिक वध किया गया हो। असीरिया के बादशाहों की भयंकर क्रूरता जिसमें वे अपने बंदियों की खालें खिंचवा लेते थे, प्राचीन भारत मे पूर्णत: अप्राप्य है। नि:संदेह कहीं-कहीं क्रूरता एवं कठोरता-पूर्ण व्यवहार था, परन्तु अन्य प्रारंभिक संस्कृतियों की उपेक्षा नगण्य था। हमारे लिए प्राचीन भारतीय सभ्यता की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण विशेषता उसकी मानवीयता है।

(क) भारत के इतिहास की किस विशेषता की चर्चा की गई है?

(i) एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी उन्नति की राह पर आगे बढ़ना

(ii) एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी अन्य संस्कृतियों को अपनाना

(iii) एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी पारम्पारिक युद्धों में जर्जर होना

(iv) एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी प्रगति न कर पाना

(ख) असमानता को धर्मसंगत मानने से -

(i) नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन शापमुक्त हो गया।

(ii) नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन अभिशाप बन गया।

(iii) नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन सँवर गया।

(iv) नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन कष्टकारी हो गया।

(ग) गद्यांश के अनुसार प्राचीन भारतीय इतिहास के बारे में कौन सा कथन असत्य है ?

(i) मनुष्यों के परस्पर संबंध सुंदर रहे (ii) मनुष्य और राज्य के संबंध अमानवीय रहे

(iii) मानवीय अधिकारों की रक्षा की गई (iv) जाति प्रथा को धर्मसंगत माना गया

(घ) भारत में अप्राप्य है -

(i) बादशाहों की युद्ध प्रियता का प्रमाण

(ii) क्रूरता और बंदियों के प्रति अत्याचारों के प्रमाण

(iii) मानवीय अधिकारों की रक्षा के प्रमाण

(iv) बादशाहों की लोगों के प्रति संवेदनाएँ

(ङ) हमारी प्राचीन सभ्यता की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण विशेषता क्या है?

(i) मानवीयता (ii) संवेदनशीलता

(iii) मानवीय संबंध (iv) भावनाएँ

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

नीलांबर परिधान, हरित पट पर सुंदर है
सूर्य चंद्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है
नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडन हैं
बंदीजन खग वृंद, शेष फन सिंहासन है
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस देश की,
हे मातृभूमि, तू सत्य ही सगुणमूर्ति सर्वेश की।

(क) काव्यांश में किसकी सगुण मूर्ति का वर्णन है?

(i) ईश्वर की (ii) मातृभूमि की (iii) माँ की (iv) नीलांबर की

(ख) मातृभूमि का हथियार क्या है?

(i) हरी साड़ी (ii) हरे भरे खेत
(iii) सुंदर पट (iv) नीलांबर परिधान

(ग) भारत माँ के दो मुकुट हैं :

(i) हिंदु-मुसलमान (ii) गंगा-यमुना
(iii) सूर्य-चंद्रमा (iv) हिमाचल और विंध्याचल

(घ) भारतीय नदियों में बहनेवाला जल -

(i) पवित्र है। (ii) गंगाजल है।
(iii) शीतल है। (iv) प्रेम का प्रवाह है।

(ङ) 'पयोद' का पर्याय नहीं है -

(i) जलद (ii) जलधी (iii) जलधि (iv) नीरद

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वालें विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

ले चल नाविक मँझधार मुझे, दे दे बस अब पतवार मुझे,
इन लहरों के टकराने पर आता रह-रह कर प्यार मुझे
मत रोक मुझे भयभीत न कर, मैं सदा कँटीली राह चला,
मेरे पथ के पतझारों में ही नव-नूतन मधुमास पला।
मैं हूँ अबाध, अविराम, अथक, बंधन मुझको स्वीकार नहीं
मै नहीं, अरे ऐसा राही जो बेबस-सा मन मार चला।
दोनों ओर निमंत्रण है- इस पार मुझे, उस पार मुझे।
रंगीन विजय-सी लगती है, संघर्षो में हर हार मुझे।।

(क) राही नाविक से क्या आग्रह करता है?

(i) उसे मँझधार में ले जाए और उसे पतवार थमा दे
(ii) लहरों में टकराने के लिए छोड़ दे
(iii) बेबस सा मन मार कर चलने दे
(iv) मन का राजा बना रहने दे

(ख) कौन-सा विशेषण कवि के लिए नहीं आया है?

(i) अविराम (ii) अथक (iii) बेबस (iv) अबाध

(ग) 'पतवार' का पर्याय है -

(i) तलवार (ii) चप्पू (iii) नाव (iv) पत्तल

(घ) कवि सदा कैसी राह पर चलता रहा है?

(i) सुनसान (ii) पथरीली (iii) कँटीली (iv) सुन्दर

(ङ) 'रंगीन विजय सी लगती है, संघर्षों में हर हार मुझे' का आशय है -

(i) कवि को लड़ने में मजा आता है

(ii) कवि विजय को रंगीन मानता है

(iii) वह हार से घबराता नहीं है

(iv) संघर्ष करते हुए हार भी जाए, तो जीत जैसा मज़ा आता है।

खंड 'ख'

5. (i) 'दरवाजे पर खड़ा मैं तुम्हारा इंतजार करता रहा।' वाक्य में विशेषण पदबंध है - **1**

(क) खड़ा (ख) दरवाजे पर खड़ा

(ग) तुम्हारा इंतजार (घ) दरवाजे पर खड़ा मैं

(ii) 'फूल की <u>सुंदरता</u> देखो।' रेखांकित पद का परिचय है - **1**

(क) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन

(ख) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(iii) वह पहले की अपेक्षा बहुत समझदार हो <u>गया है</u>। रेखांकित में पदबंध का भेद है - **1**

(क) संज्ञा पदबंध (ख) सर्वनाम पदबंध

(ग) क्रिया पदबंध (घ) क्रिया विशेषण पदबंध

(iv) <u>कपिल का</u> भाई दौड़ में प्रथम आया। रेखांकित पद का परिचय है- **1**

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग एकवचन

(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग

(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, अन्य पुरुष

6. (i) उसने न केवल गरीब को लूटा बल्कि उसकी हत्या भी कर दी।

रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है : **1**

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य (घ) आश्रित वाक्य

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है – **1**

(क) मूसलाधार वर्षा हुई तो बाढ़ आ गई।

(ख) आज की मूसलाधार वर्षा से बाढ़ आ गई।

(ग) आज बहुत वर्षा हुई। इसी कारण बाढ़ आ गई।

(घ) चूँकि आज मूसलाधार वर्षा हुई अत: बाढ़ आ गई।

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है – **1**

(क) मैंने एक व्यक्ति देखा और वह दुबला-पतला था।

(ख) मैंने एक दुबले-पतले व्यक्ति को देखा।

(ग) मैंने उस व्यक्ति को देखा जो दुबला-पतला था।

(घ) मैंने एक दुबला व्यक्ति देखा।

(iv) छात्र स्कूल से घर आया। वह खेलने चला गया। इन वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है : **1**

(क) छात्र स्कूल से आया तो खेलने चला गया।

(ख) छात्र स्कूल से घर आया और खेलने चला गया।

(ग) जैसे ही छात्र स्कूल से घर आया वैसे ही खेलने चला गया।

(घ) छात्र स्कूल से घर आते ही खेलने चला गया।

7. (i) 'महोदधि' का संधि-विच्छेद है – **1**

(क) मह + उदधि (ख) महा + उदधि

(ग) महो + दधि (घ) महो + उदधि

(ii) सर्व + उत्तम की संधि है – **1**

(क) सर्वउत्तम (ख) सवोत्म

(ग) सर्वोत्तम (घ) सर्वौत्तम

(iii) 'गृहप्रवेश' समस्त पद का विग्रह है – **1**

(क) गृह में प्रवेश (ख) गृह का प्रवेश

(ग) गृह से प्रवेश (घ) गृह पर प्रवेश

(iv) नीला है जो गगन का समस्त पद है – **1**

(क) नीलागगन (ख) नीलगगन

(ग) गगननील (घ) नीलगन

8. (i) शेर को सामने से आता हुआ देखकर मेरे...........। **1**

उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।

(क) पाँव उखड़ गए (ख) होश उड़ गए

(ग) आँखे पथरा गई (घ) तोते उड़ गए

(ii) विमला पुत्री को समझा-समझा कर हार गई। एक दिन उसने उसे दो थप्पड़ लगा ही दिए। सच ही है __________। **1**

रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त लोकोक्ति से करें

(क) रस्सी जल गई पर ऐंठन नहीं गई (ख) लातों के भूत बातों से नहीं मानते

(ग) नाँच न जाने आँगन टेढ़ा (घ) उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे

(iii) 'बाँट जोहना' मुहावरे का अर्थ है : **1**

(क) कुछ दिखाई न देना (ख) आश्चर्यचकित होना

(ग) इंतजार करना (घ) भ्रमित होना

(iv) 'ओखली में सिर दिया तो मूसलों से क्या डरना' लोकोक्ति का अर्थ है - **1**

(क) विपत्ति झेलने को तैयार रहना (ख) समय निकल जाने पर प्रयत्न करना

(ग) परिस्थिति सदा एक सी नहीं होती (घ) सब एक समान

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - **1**

(क) वसंत ऋतु अच्छा लगता है

(ख) भैंस का ताकतवर दूध होता है

(ग) गुलाब के पौधे पर मैं कई फूल देखा

(घ) देश में सर्वस्व शांति है

(ii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - **1**

(क) लड़के अध्यापक को प्रश्न पूछते हैं।

(ख) लड़के अध्यापक से प्रश्न करते हैं।

(ग) लड़के प्रश्न अध्यापक में करते हैं।

(घ) लड़के प्रश्न अध्यापक के लिए पूछते हैं।

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है - **1**

(क) वह दंड पाने योग्य है (ख) वह बहुत दूर चला गया

(ग) उसके सारे इरादों पर पानी बह गया (घ) उसे पूरे अंक प्राप्त हुए

(iv) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - **1**

(क) कल उसने मुंबई जाना है (ख) उसके फेल होने की संभावना है

(ग) बच्चों को काटकर फल खिलाओ (घ) इस विषय में मुझे कुछ पता नहीं

खंड 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात।

कहि हैं सबु तेरौ हियो मेरे हिय की बात

(i) नायिका से मन की बात कागज़ पर क्यों नहीं लिखी जाती ?

(क) भ्रमवश (ख) लज्जावश (ग) प्रेमवश (घ) घृणावश

(ii) प्रस्तुत काव्यांश में किसकी मनस्थिति का वर्णन है ?

(क) नायिका की (ख) नायक की (ग) नट की (घ) नटी की

(iii) 'हिय' के लिए प्रचलित शब्द है -

(क) हृदय (ख) मन (ग) यहाँ (घ) हीनता

(iv) यह दोहा किस भाषा में रचा गया है।

(क) अवधी (ख) मैथिली (ग) मगही (घ) ब्रज

(v) नायक-नायिका के हृदय की बात किस प्रकार समझ लेगा?

(क) उसके मन में वही है जो नायिका के मन में है

(ख) नायक भी नायिका से अपनी बात कहना चाहता है।

(ग) नायक-नायिका एक ही भाषा बोलते हैं

(घ) नायिका को नायक की भाषा नहीं आती

अथवा

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
जिंदगी मौत से मिल रही है गले।
आज धरती बनी है दुल्हन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(i) कुर्बानियों की राह कल वीरान हो सकती है -

(क) जब उस पर बर्फ पड़ जाए (ख) जब युद्ध बंद हो जाए

(ग) जब उस पर बलिदानी न चलें (घ) जब लोग घर लौट आएं

(ii) 'साथियो' किसे कहा गया है?

(क) मित्रों को (ख) देशवासियों को

(ग) विद्यार्थियों को (घ) साथी सैनिकों को

(iii) नए-नए काफ़िले सजाते रहना आवश्यक है, जिससे -

(क) युद्ध जीता जा सके (ख) चीन को हराया जा सके

(ग) कुर्बानी की राह वीरान न हो (घ) फ़तह का जश्न होता रहे

(iv) इस कविता की पृष्ठभूमि में कौन सी ऐतिहासिक घटना है?

(क) भारत-पाक युद्ध (ख) भारत-चीन युद्ध

(ग) 26/11 का आतंकी हमला (घ) स्वतंत्रता संग्राम

(v) धरती की तुलना दुल्हन से की गई है, क्योंकि वह -

(क) हरी भरी है (ख) फल-फूलों से सजी है

(ग) शहीदों के खून से लाल है (घ) दुल्हन जैसी सुंदर बनी है

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर दीजिए - **2½+2½=5**

(क) ख्यूक्रिन मुआवजा क्यों माँग रहा था? गिरगिट कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) प्रायश्चित्त करने के लिए लेखक की माँ ने क्या किया? 'अब कहाँ दूसरों के दुख में दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर बताइए।

(ग) गिन्नी का सोना के अनुसार 'प्रैक्टीकल आइडियालिस्ट' क्या है?

(घ) जाँबाज सिपाही किसे कहा गया है? कारतूस पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

12. गांधी में नेतृत्व की अद्‌भुत क्षमता थी, उदाहरण सहित पुष्टि कीजिए। 5

अथवा

'नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है।' गत कुछ वर्षो में घटित किसी घटना का उल्लेख करते हुए कथन की पुष्टि करें।

13. अक्सर हम या तो गुजरे हुए दिनों की खट्‌टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या है। एक चला गया, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग में भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था।

(1) लेखक ने किस समय को मिथ्या कहा है और किसे सत्य कहा है? 2

(2) आशय स्पष्ट कीजिए, असल में दोनों काल मिथ्या हैं? 2

(3) सामान्य रुप से हम किन बातों में उलझे रहते हैं? 1

अथवा

किस्सा क्या हुआ था उसको उसके पद से हटाने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वजीफ़ा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कोलकत्ता तलब किया। वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कोलकत्ता में क्यों तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की उलटा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के दिल में यूँ भी अंग्रेजों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूट कर भरी है, उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

(1) वज़ीर अली को कलकत्ता किसने बुलाया और क्यों? 1

(2) वह कंपनी के वकील के पास क्यों गया? उसने वकील को क्यों मार डाला? 2

(3) वज़ीर अली कौन था? 2

14. (क) 'विश्व-शलभ' दीपक के साथ क्यों जल जाना चाहता है? 2

(ख) विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं' कवि इन पंक्तियों के द्‌वारा क्या कहना चाहता है? 2

(ग) श्रीकृष्ण के शरीर की तुलना किस पर्वत से की गई है और क्यों? 1

15. इफ़्फ़न टोपी शुक्ला की कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा कैसे है? 3

अथवा

लेखक के अनुसार उन्हें स्कूल खुशी से भाग जाने की जगह न लगने पर भी कब और क्यों लेखक को स्कूल जाना अच्छा लगने लगा?

16. पाठ के आधार पर बतलाइए की दस अक्टूबर सन् पैतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्त्व रखता है? 2

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग *100* शब्दों में अनुच्छेद लिखें. 5

(क) संघर्ष ही जीवन है -

- संघर्ष और जीवन एक दूसरे के पूरक, संघर्ष का आधार कर्म,
- संघर्ष का आनंद

(ख) मोबाईल फोन : सुविधा या असुविधा -

- आवश्यक अंग-
- सुविधाएँ बुराइयाँ

(ग) बीस-बीस क्रिकेट

- क्रिकेट का नया रूप,
- रोमांच

18. **पत्र-लेखन :** 5

अपने क्षेत्र में मच्छरों के प्रकोप का वर्णन करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए और इस समस्या का तुरन्त समाधान करने का अनुरोध कीजिए।

अथवा

अपने स्कूल की सम्पत्ति की हानि पहुँचाने वाले छात्रों की जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य को प्रार्थना पत्र लिखिए।

- o O o -